दुरूदे क़ल्बी व रूहानी
बफ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी

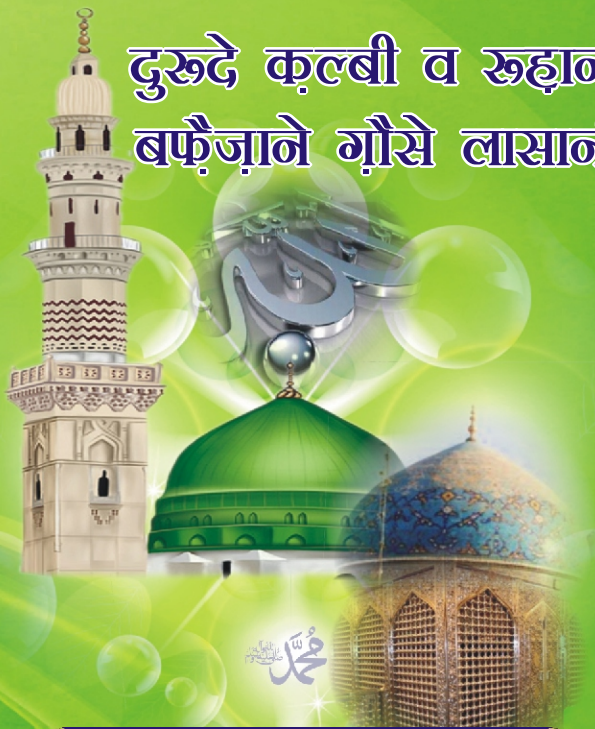

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

786/92

दुरूदे क़ल्बी व रूहानी

बफ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللہِ الْمَلِکِ السَّلٰمِ

صلی اللہ م ح م د علیہ وسلم
صلی اللہ ح م د م علیہ وسلم
صلی اللہ م د م ح علیہ وسلم
صلی اللہ د م ح م علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

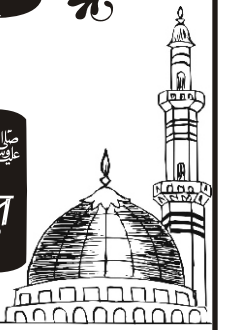

सलामे मोह़म्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत

14

मुरत्तिब

बमौक़ा रबीउ़स्सानी 1438हि०

बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अ़र्ज़े मुतर्जिम

नह़ मदुहू व नस्तई़नुहू व नुसल्ली व नुसल्लिमु अ़ला ह़बीबिही सय्यिदी मुह़म्मदिवँ व आलिही व अस्ह़ाबिही व औलियाइ उम्मतिही अज्मई़न। अम्मा बअ़दु।

यह किताब "दुरूदे क़ल्बी व रूह़ानी ब फ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी" त़ालेबीन व सालेकीन के लिए अन्मोल रूह़ानी ख़ज़ाना है जिसे सय्यिदी हुज़ूर ग़ौसुल अअ़ज़म रदि़यल्लाहु अ़न्हु की ख़ुसूसी तवज्जोहात और ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ रदि़यल्लाहु अ़न्हुम की रहबरी व दस्तगीरी से तरतीब दी गई है जिस में इस फ़क़ीर कम्तर को तर्जमा करने की तौफ़ीक़ मिली है इस किताब में ख़ल्क़े खुदा के लिए राह़तो सुकून का सामान और कुफ़्रो इल्ह़ाद और फ़िस्क़ो गुम्रही से नजातो अमान है यह किताब "इहदिनस्सिरात़ल मुस्तक़ीम" (तू हमें सीधे रस्ते पर चला) की हिदायत देने वाली है और " क़द अन्अ़मल्लाहु अ़लैहिम मिनन्नबीयी न वस्सिद्दीक़ी न वश्शु हदाइ वस्सालिही न" (बेशक अल्लाह ने नब्यों सिद्दीक़ो शोहदा और स़ालेह़ लोगों पर इन्आ़म फ़रमाया

है) के इन्आ़म से नवाज़ने वाली है "कुल्हु व लिल्लज़ी न आमनू हुदौं व शिफ़ुउन" (आप ﷺ फ़रमादें यह ईमान वालों के लिए हिदायत और शिफ़ा है) की रहबरी और शिफ़ा देने वाली है "व इन्नश्शयाती न लयूहू न इला औलियाइहिम लियुजादिलूकुम" (और बेशक शयातीन अपने दोस्तों के दिलों में (वस्वसे) डालते रहते हैं ताकि वह तुम से झगड़ा करें) की ख़ार ज़ार वादी से वाक़िफ़ करने वाली है "व इन्अत़अ़ तुमूहुम इन्नकुम लमुश्रिकून" (और अगर तुम उनके कहने पर चले तो तुम मुश्रिक हो जाओगे) के गिरोह से बचाने वाली है और "अ फ़ रऐ त मनित्त ख़ ज़ इलाह हू हवाहु" (क्या तुमने उसे देखा जिसने अपनी ख़्वाहिश को अपना मअ़बूद बना लिया) की हवाए नफ़्सानी से नजात बख़्शने वाली है "व अद़ल्लहुल्लाहु अ़ला इ़ल्मिन" (और अल्लाह ने उसे इ़ल्म के बावुजूद गुम्राह ठहरा दिया) की द़लालतो रजअ़त से महफ़ूज़ करने "व ख़ त म अ़ला सम्इ़ही व क़ल्बिही व ज अ़ ल अ़ला ब स़ रिही ग़िशावतन" (और उस ने उसके कान पर और दिल पर मोहर करदिया और उस की आँख पर अंधेरा ही अंधेरा करदिया) की मुहर से बचाने वाली और आँखों से हिजाबात को दूर कर ने वाली है और "व मय्युँअमिन बिल्लाहि यहदि क़ल्बहू"

(और जो अल्लाह पर ईमान रखता है अल्लाह उस के क़ल्ब को हिदायत देता है) का नूरे ईमान देकर क़ल्ब को हिदायत का नूर अ़ता करने वाली है इस किताब में मौजूद "दुरूदे क़ल्बी व रूहानी ब फ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी" के जुम्ला हुरूफ़ो कल्मात में रूहानी तौर से लौहे़ महफ़ूज़ का फ़ैज़ मौजूद है जिस को पढ़ने वाला लौहे़ महफ़ूज़ का मोशाहदा करेगा और एक पल में अ़र्श से तहतस्सरा तक मुलाहज़ा करेगा चूँकि इस दुरूद को तरतीब देते वक़्त इस क़दर आ़लमे अरवाह से बशारतें और मुबारक बादियाँ मिली हैं जो ब्यान से बाहर हैं इस दुरूद में इन्सानी क़ल्बो रूह व अक़्लो नफ़्स और इनके मातहत रहने वाले जुम्ला जवारेह़ को " वअ़बुद रब्ब क ह़त्ता यअतियकल यक़ीनु" (तुम अपने रब की इबादत करो यहाँ तक कि तुम्हें यक़ीन आजाए) की तल्क़ीन करते हुए मर्तबए ह़क़्क़ुल्यक़ीन के नूर के साथ इबादत करने का त़रीक़ा भी शामिल है बिला शको शुबह यह "दुरूदे क़ल्बी व रूहानी ब फ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी" अ़ज़ीम करम का ख़ज़ाना है जिस से अस्रारे ग़ैबी व रूहानी और मुकाश्फ़ाते क़ल्बी के अन्वारो बरकात के दरवाज़े खुलते हैं और इस को पढ़ने वाला फ़ना फ़िश्शैख़ व फ़ना फ़िर्रसूल और फ़ना फ़िल्लाह की मन्ज़िलें पाएगा इस के

रूहानी बरकात की हक़ीक़त यह है कि अगर ज़ाहिरी व बातिनी तहारत के साथ कामिल अदब मलहूज़ रखते हुए गोशए तन्हाई में इसे रोज़ाना पढ़े तो सय्यिदी हुज़ूर ग़ौसुल अअ़ज़म रदियल्लाहु अन्हु की आमद होगी और आपकी आमद की बरकत से हुज़ूर अक़्दस ﷺ की ज़ियारत नसीब होगी इन्शाअल्लाहु तआ़ला व लिल्लाहिल हम्दु व लिल्लाहिश्शुक्रु।

बारगाहे रब्बुल आ़लमीन में दोआ़ है कि मौला तआ़ला इस ख़िदमत को क़बूल फ़रमाए और हमारी जुम्ला कोताहियों और ग़ल्तियों को मुआ़फ़ फ़रमाए और इस किताब के फ़ैज़ान से हम सब के ज़ाहिरो बातिन को मुस्तफ़ीज़ फ़रमाए आमीन बिजाहि शफ़ीइ़ल्मुज़्निबीन व रह़मतिल्लिल्आ़लमीन व स़ल्लल्लाहु अ़ला सय्यिदी व मौलाई मोह़म्मदिवँ व आलिही अज्मई़न।

जारूब कश ब आस्तानए आ़लिया
ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ (رضی اللہ عنہم)
मौलाना मुफ़्ती मोह़म्मद ह़ामिद रज़ा सुल्त़ानी
9695435877

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

फ़ज़ाइले

दुरूदे क़ल्बी व रूहानी बफ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी

अल्लाह की बे इन्तेहा हम्द और उस का शुक्र है और उस के हबीब ﷺ की बे हिसाब रहमतो शफ़्क़त है कि पेशे नज़र किताब "दुरूदे क़ल्बी व रूहानी बफ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी" आस्तानए आलिया हज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ रदियल्लाहु अन्हुम पर आप हज़रात की हिदायतो रहनुमाई में तर्तीब देने की तौफ़ीक़ अता हुई इस दुरूद में "अकमल्तु लकुम दी न कुम" (मैं ने तुम्हारे लिए तुम्हारे दीन को मोकम्मल करदिया) का कमाले मर्तबए एहसान व "अतमम्तु अलैकुम निअमती"(और मैं ने तुम पर अपनी नेअमत तमाम करदी) का तमामे मर्तबए ईमान "व रदीतु लकुमुल्इस्ला म दीनन"(और मैं तुम्हारे लिए इस्लाम के दीन होने से राज़ी हूँ की रेज़ाए मर्तबए इस्लाम मौजूद है जो शख़्स इस

"दुरूदे क़ल्बी व रूहानी बफ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी" को सुब्हो शाम ११/बार या १/बार पढ़ने का मअ़मूल बनाएगा तो वह ख़ुसूसी तौ़र पर इन चालीस नेअ़मतों और ख़ास़ाइस़ से नवाज़ा जाएगा (१)उसे अल्लाह तआ़ला की ह़म्दो सना दुरूदो सलाम के साथ करने की तौफ़ीक़ मिलेगी (२)वह अल्लाह तआ़ला की नेअ़मतों का शुक्र गुज़ार बन्दा क़रार पाएगा (३)उस का ज़ाहिरो बात़िन मक़्बूल ज़िक्रे इलाही में मुस्तग़रक़ रहेगा (४)उस के लिए तख़्लीक़े काएनात में ग़ौरो फ़िक्र करने के दरवाज़े खोल दिए जाएंगे (५)वह स़ब्रो शुक्र करने वालों के गिरोह में शामिल कर लिया जाएगा (६)उस को रूह़ के ह़क़ाइक़ो मआ़रिफ़ नसीब होंगे (७)उस का क़ल्ब (दिल) हर तारीकी से मह़फ़ूज़ हो जाएगा उसे दवामे ज़िक्रे इलाही की नेअ़मत मिलेगी (८)उसे तज़्किय़ए नफ़्स का नूर और "मन अ़ र फ़ नफ़्स हू फ़ क़द अ़ र फ़ रब्बहू" (जिस ने अपने नफ़्स को पहचाना यक़ीनन उस ने अपने रब को पहचाना) का इ़रफ़ान मिलेगा (९)उस की अ़क़्ल इ़ल्म की आफ़तों और जुम्ला लायअ़नी चीज़ों से मह़फ़ूज़ हो कर अ़क़्ले कुल का फ़ैज़ पाएगी (१०) उसे खुली आँखों से मह़बूब मुस्त़फ़ा ﷺ का

दीदार नसीब होगा उस की आँखों से हिजाबात हटा दिए जाएंगे और वह बद नज़री की नुहूसत से नजात पाएगा (११)उस के कान की समाअ़त इस क़दर होगी कि दूरो नज़्दीक की बातें उस के लिए यक्साँ होंगी उस के कान हर गुनाह की बातों के सुनने से महफ़ूज़ हो जाएंगे (१२)उस की ज़ात नूरे इलाही से इस क़दर मुनव्वर होगी कि उस का देखना, सुनना, चलना फिरना सब अल्लाह के नूर के साथ होगा (१३) उसे फ़िरासते मोमिनाना हासिल होगी और उस के लिए "फ़ कशफ़्ना अ़न्क ग़िताअ क फ़ ब स़ रुकलयौ म हदीदुन" (पस हमने तुम से तुम्हारे पर्दे हटा दिए तो आज तुम्हारी निगाह बहुत तेज़ है) की निदा सुनाई जाएगी (१४)उस का नुत्क़ (बोलना) "वमा यन्तिकु अ़निल्हवा इन हु व इल्ला वह्यूँ यूहा" (और वह कोइ बात अपनी ख़्वाहिश से नहीं करते मगर वही जो उन्हें की जाती है) के नूर में होगा (१५)वह दुन्या व आख़िरत के हर रन्जो अलम से महफ़ूज़ होगा और उसे "रब्बना आतिना फ़िद्दुन्या ह़ स न तौं व फ़िल्आख़िरति ह़ स न तौं व क़िना अ़ज़ाबन्नारि" (ऐ हमारे पालनहार तू हमें दुन्या में भलाई दे और आख़िरत में भलाई दे और हमें आग के

अ़ज़ाब से बचाले) का कामिल हि़स्सा मिलेगा (१६)उसे एक रूहानी इस्लामी अ़लम अ़ता किया जाएगा उसे दीने इस्लाम के अरकान का नूर और फ़ैज़ मिलेगा (१७)वह ऐसा साहि़बे करामत बाइस्तिक़ामत होगा कि उस की मज्लिस में बैठने वाला शख़्स बामुराद होगा (१८)उस पर रह़मत के सत्तर दरवाज़े खोले जाएंगे (१९)उसे "व अ़ल्लम्नाहु मिल्लदुन्ना इ़ल्मन"(और हमने उसे अपने पास से इ़ल्म दिया) का फ़ैज़ और इ़ल्मे लदुन्नी से नवाज़ा जाएगा (२०)वह अ़र्शो फ़र्श व जुम्ला मुग़ीबात का मुशाहदा करने वाला होगा (२१)वह रात भर क़ेयाम करने वालों में शुमार किया जाएगा उस का दिन और उस की रात अल्लाहो रसूल की इ़ताअ़तो फ़रमाँ बरदारी में गुज़रेंगे और वह इन लम्ह़ात में हर मुसीबत से मह़फ़ूज़ रहेगा (२२)उस का ज़ाहिरो बातिन बुग्ज़ो ह़सद और ग़ीबत की नापाकी से सलामत रहेगा (२३)वह तकब्बुरो लालच और खुदनुमाई से नजात पाजाएगा वह शैत़ान मर्दूद और उस के तमाम लश्करयों और तमाम जिन्नो इन्स व दीगर मख़्लूक़ात से मह़फ़ूज़ होजाएगा (२४)वह नफ़्सानी वसाविस व जुम्ला ख़साइले बहाइम से नजात पाएगा (२५)उसे "वला तुल्क़

बिऐदीकुम इलत्तहलुकति" (और तुम अपनी जान को हलाकत में ना डालो) का इल्क़ा होगा और "व ज़रू ज़ाहिरल इस्मि व बातिनहू" (और तुम ज़ाहिरी और बातिनी गुनाह को छोड़दो) का एह़सास दिलाया जाएगा (२६)उस की तौबा क़बूल होगी और वह हर गुनाहों से पाको साफ़ होजाएगा (२७)रिज़्क़ में कुशादगी होगी और उस के अख़्लाक़ निहायत पाकीज़ा होजाएंगे (२८)उस का घर हर बला व मोसीबत और अ़ज़ाब से महफ़ूज़ रहेगा (२९) उस पर अल्लाह व रसूल का रह़मो करम और लुत्फ़ो एह़सान बेहिसाब होगा (३०)उसे अहले बैत की शफ़्क़तो मोह़ब्बत और उनकी नज़्रे इनायत ह़ासिल होगी (३१)उसे जुम्ला अरवाहे तय्यिबात का फ़ैज़ मिलेगा (३२) उस पर इल्मो ह़िक्मत के ऐसे चश्मे फूटेंगे जिनसे गुम्राहों को हिदायत मिलेगी (३३)वह अस्फ़ले साफ़ेलीन (आ़लमे नासूत) की घाटी से निकल कर मक़ामे अह़सने तक़वीम (आ़लमे ह़क़ीक़त) पर फ़ाएज़ होगा (३४)उसे दुन्या ही में जन्नत की बशारत मिलेगी (३५)वह जहन्नम से आज़ाद होजाएगा (३६)उस की हर साँस ज़िक्रे इलाही के साथ निकलेगी (३७)वह मर्तबए विलायत से नवाज़ा जाएगा (३८)उस की क़ब्र जन्नत के

बाग़ात में से एक बाग़ होगी (३९)उस का हश्र अव्वलीन व आख़िरीन के सालेहीन और दुरूदो सलाम पढ़ने वालों के साथ होगा (४०)उस की हर दुआ क़बूल होगी और वह मुस्तजाबुद्दअ़वात होगा और वह हर मोहलिक बीमारी मस्लन कैन्सर, शूगर, पथरी, दिल की बीमारी, दमाग़ी बीमारी और दीगर ज़ाहिरी व बातिनी जिस्मानी और रूहानी बीमारियों से यक़ीनन शिफ़ा पाएगा अगर किसी मरीज़ या आसेब ज़दह को पानी या खाने की चीज़ पर दम कर के दे तो उसे फ़ौरन शिफ़ा मिलेगी इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

ह़ासिल यह कि इस दुरूद को पढ़ने वाला दुन्यवी व उख़्रवी की ऐसी ऐसी नेअ़मतों से सरफ़राज़ किया जाएगा जिसे ना तो किसी कान ने सुना होगा और ना किसी आँख ने देखा होगा और ना किसी बशर के दिलमें उसका ख़्याल गुज़रा होगा।

दुरूद के आख़िर में शम्सुल औलिया सुल्तानुल अक़्ताब सय्यिदी हुज़ूर ग़ौसुल अअ़ज़म रदि़यल्लाहु अ़न्हु की दुआ भी शामिल है जिस को पढ़ने वाला नफ़्से अम्मारा के शरों से महफ़ूज़ होकर नफ़्से लव्वामा व नफ़्से मुल्हिमा व नफ़्से मुत्मइन्ना व नफ़्से

राद़िया व नफ़्से मरदीया और नफ़्से कामिला के अनवार का मुशाहदा करेगा उस के ज़ाहिरो बात़िन पर नफ़्से कामिला का असर पाया जाएगा और उसे इन नफ़्सों की ख़ास़ियात व कैफ़ियात का इ़रफ़ान ह़ास़िल होगा चुनान्चे वह आ़लमे नासूत से उठ कर आ़लमे मल्कूत व आ़लमे जब्रूत व आ़लमे हाहूत व आ़लमे याहूत व आ़लमे अह़दीयत और आ़लमे वह़दत का सैर करेगा और उसे इन अ़वालिम में ऐसे मुशाहदातो मुकाश्फ़ात और इन्आ़मात से नवाज़ा जाएगा जो कभी उस के वहमो गुमान में भी ना होगा बिल्ख़ुसूस़ उसे दह्रो क़ब्रो ह़श्र में सय्यिदी हु़ज़ूर ग़ौसुल अअ़ज़म रद़ियल्लाहु अ़न्हु की रहबरी और दस्तगीरी ह़ास़िल होगी और अल्लाह तआ़ला उसे वलीये कामिल बनाएगा नीज़ वह ज़माने के हर ह़ादसा व हलाकत और फ़ित्नों से मह़फ़ूज़ो मामून रहेगा व लिल्लाहिल्ह़म्दु वलिल्लाहिश्शुक्रु वहुवल मुस्तआ़नु वअ़लैहित्तुकलानु वस़्सलातु वस्सलामु अ़ला सय्यिदिना मुह़म्मदिवँ व आलिही व अस़्ह़ाबिही अज्मई़न।

दुरूदे क़ल्बी व रूहानी बफ़ैज़ाने ग़ौसे लासानी को मअ़मूल में लाने का त़रीक़ा

(१) सुब्हो शाम एक एक बार या सिर्फ़ रोज़ाना एक बार पढ़े।

(२) रोज़ाना एक बार पढ़े फिर पीर के दिन और जुमअ़ के दिन ११/११ बार पढ़े।

(३) रात की तन्हाइ में रोज़ाना ११ बार एक साल तक पढ़े इन तमाम सूरतों में अल्लाह व रसूल उसे अपना क़ुर्बे ख़ास अ़त़ा करेंगे और वह मर्तबए विलायत पर फ़ाएज़ होजाएगा इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

(४) क़ज़ाए ह़ाजत के लिए दो रक्अ़त नमाज़ इस त़रह़ पढ़े कि हर रक्अ़त में सूरए फ़ातिह़ा के बाद ११/११ बार सूरए इख़्लास़ पढ़े बअ़दहू उस का सवाब हुज़ूर अक़्दस ﷺ की बारगाह में नज़्र करे फिर इस दुरूद को ३ बार पढ़े तो उस की हर ह़ाजत पूरी होगी इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

वबिल्लाहित्तौफ़ीक़ु व हु व ख़ैरु रफ़ीक़िन।

सलामे मोह़म्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्कूत़(14)
रुह़ानी चहल मीम ह़म्द व
रुह़ानी चहल दुरुदो सलाम
व दुआ़ए ग़ौसे लासानी

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्मल अ ह़दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि व सल्लिम मास़ल्ला वसल्लमल्लाहु व मलाइकुहू व कुल्लुल मुस्लिमि व मुह़युल इस्लामि व मासुति़ र अ़लल्लौहि़ मुकर्ररन कुल्ललह़ालि अ़ला मौलाई अस़्लि इस्लामि क व दारिस्सलामि व मूसि़लि हुक्मि क व मुअ़ति़यि कमालि अस्रारि क व हु

व मस्रूरुल्लाहि मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व सा र वालिदुहू अक्मलल वालिदि व उम्मुहू अक्मलल उम्मि व आलुहू अक्मलल आलि व अ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही व कुल्लि उममि रसूलिल्लाहि अ़ द द कुल्लि अ़त़ाइल्लाहि ।

मअ़स्मिल्लाहि अल्ह़म्दु लिल्लाहि मौलाई हुवल्लाहु इलाहुन मालिकुल मुल्कि लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ मौलाई हुवल्लाहु इलाहुन अह़दुन स़ म दुन लाइला ह

इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ मौलाई
हुवल्लाहु इलाहुन ह़य्युन दाइमुन लाइला ह
इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ मौलाई
हुवल्लाहु इलाहूँ वाह़िदुन सलामुन लाइला ह
इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ मौलाई
हुवल्लाहु इलाहुन अ़लिय्युम मुअ़ति़युन लाइला ह
इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ मौलाई
हुवल्लाहु इलाहुन हादियुम मुस़व्विरुन लाइला ह
इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ मौलाई
हुवल्लाहु इलाहुम मुह़सि़युन ह़ क मुन लाइला
ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ व लहू
कुल्लुल अम्रि व लहू अअ़ लल अस्माइ व
हुवल अव्वलुल वदूदुल वलीयुल वालियु व हु व
अ़ल्लामु कुल्लिल अस्रारि व कलामुहुल अक्रमु

लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ

यक़ूलु राउ रूह़ी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व रूह़ि मुह़म्मदिन फ़िल अर्वाह़ि।

यक़ूलु वाउ रूह़ी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यावाह़िदु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व रूह़ि मुह़म्मदिन फ़िल अर्वाह़ि।

यक़ूलु ह़ाउ रूह़ी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याह़य्यु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व रूह़ि मुह़म्मदिन फ़िल अर्वाह़ि।

यक़ूलु अम्रु रूह़ी लाइला ह इल्लल्लाहु

मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु यावाहि़दु याह़य्यु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व रूहि़ मुह़म्मदिन फ़िल अर्वाहि़।

यक़ूलु क़ाफ़ु क़ल्बी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याक़य्यूमु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व क़ल्बि मुह़म्मदिन फ़िल कुलूबि।

यक़ूलु लामु क़ल्बी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यालत़ीफ़ु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व क़ल्बि मुह़म्मदिन फ़िल कुलूबि।

यक़ूलु बाउ क़ल्बी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याबासितु

स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व क़ल्बि मुह़म्मदिन फ़िल कुलूबि।

यक़ूलु अम्रु क़ल्बी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याक़य्यूमु यालत़ीफ़ु याबासितु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व क़ल्बि मुह़म्मदिन फ़िल कुलूबि।

यक़ूलु नूनु नफ़्सी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यानूरु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व नफ़्सि मुह़म्मदिन फ़िन्नुफूसि।

यक़ूलु फ़ाउ नफ़्सी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याफ़त्ताहु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना

मुह़म्मदिवँ व नफ़्सि मुह़म्मदिन फ़िन्नुफ़ूसि।

यक़ूलु सीनु नफ़्सी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यासलामु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व नफ़्सि मुह़म्मदिन फ़िन्नुफ़ूसि।

यक़ूलु अम्रु नफ़्सी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यानूरु याफ़त्ताहु यासलामु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व नफ़्सि मुह़म्मदिन फ़िन्नुफ़ूसि।

यक़ूलु ऐनु अ़क़्ली लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याअ़लीमु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व अ़क़्लि मुह़म्मदिन फ़िल उ़क़ूलि।

यक़ूलु क़ाफ़ु अ़क़्ली लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याक़ादिरु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व अ़क़्लि मुह़म्मदिन फ़िल उ़क़ूलि।

यक़ूलु लामु अ़क़्ली लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यालत़ीफ़ु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व अ़क़्लि मुह़म्मदिन फ़िल उ़क़ूलि।

यक़ूलु अम्रु अ़क़्ली लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म याअ़लीमु याक़ादिरु यालत़ीफ़ु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व अ़क़्लि मुह़म्मदिन फ़िल उ़क़ूलि।

यक़ूलु रअसी लाइला ह इल्लल्लाहु

मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व रअसि मुह़म्मदिन फ़िर्रुऊसि ।

यक़ूलु जबीनी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व जबीनि मुह़म्मदिन फ़िल अज्बुनि ।

यक़ूलु सम्ऱ लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व सम्ऱ मुह़म्मदिन फ़िल अस्माइ़ ।

यक़ूलु ब स़ री लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व ब स़ रि मुह़म्मदिन फ़िल अब्स़ारि ।

यक़ूलु क़ौली लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व क़ौलि मुह़म्मदिन फ़िल अक़्वालि ।

यक़ूलु वज्ही लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व वज्हि मुह़म्मदिन फ़िल वुजूहि ।

यक़ूलु स़दरी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व स़दरि मुह़म्मदिन फ़िस्सुदूरि ।

यक़ूलु ब़त्नी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व बत़्नि मुह़म्मदिन फ़िल बुतूनि ।

यक़ूलु न फ़ सी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व न फ़ सि

मुह़म्मदिन फ़िल अन्फ़ासि ।

यक़ूलु कब्दी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व कब्दि मुह़म्मदिन फ़िल अक्बादि ।

यक़ूलु वरीदी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व वरीदि मुह़म्मदिन फ़िल वुरूदि ।

यक़ूलु अ़ म ली लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला

सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व अ़ म लि मुह़म्मदिन फ़िल अअ़मालि ।

यक़ूलु ह़ाली लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व ह़ालि मुह़म्मदिन फ़िल अह़वालि ।

यक़ूलु फ़िक्री लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व फ़िक्रि मुह़म्मदिन फ़िल अफ़्कारि ।

यक़ूलु इ़ल्मी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु

याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व इ़ल्मि मुह़म्मदिन फ़िल उ़लूमि।

यक़ूलु ख़ुलुक़ी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व ख़ुलुक़ि मुह़म्मदिन फ़िल अख़्लाक़ि ।

यक़ूलु इस्मी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व इस्मि मुह़म्मदिन फ़िल अस्माइ ।

यक़ूलु दहरी लाइला ह इल्लल्लाहु

मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व दहरि मुह़म्मदिन फ़िद्दुहूरि ।

यकूलु लैली व नहारी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व लैलि मुह़म्मदिवँ व नहारि मुह़म्मदिन फ़िल्लयालियि वलअन्हुरि ।

यकूलु ज़ाहिरी व बाति़नी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व ज़ाहिरि

मुह़म्मदिवँ व बाति़नि मुह़म्मदिन फ़ि़ज़्ज़वाहिरि वल बवाति़नि ।

यक़ूलु ज स दी लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व ज स दि मुह़म्मदिन फ़िल अज्सादि ।

यक़ूलु क़ब्री लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्कु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व क़ब्रि मुह़म्मदिन फ़िल क़ुबूरि ।

यक़ूलु ह़श्री लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु

याह़क़्क़ु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व ह़शरि मुह़म्मदिन फ़िल हुशूरि ।

यक़ूलु दुआ़ई लाइला ह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलु लुल्लाहि ﷺ अल्लाहुम्म यारब्बु याइलाहु याह़क़्क़ु स़ल्लि वसल्लिम अ़ला सय्यिदिना व नबिय्यिना मुह़म्मदिवँ व दुआ़इ मुह़म्मदिन फ़िल अदइ़यति व अ़ला वालिदैहि व आलिही व अज़्वाजिही व अहलि बैतिही वस्सय्यिदिस़्सिद्दीक़ि वस्सय्यिदि उ़ म र वस्सय्यिदि उ़स्मा न वस्सय्यिदि अ़लिय्यिवँ वस्सय्यिदति फ़ाति़मतज़्ज़हराइ वस्सय्यिदिल ह़ स नि वस्सय्यिदिल हुसैनि व अस़्ह़ाबिही व अत्बाइ़ही व अश्याइ़ही व जमीइ़ शु ह दाइ

कर्बला व अ़ला सय्यिदिनल इमामि ज़ैनिल
आ़बिदीन व अ़ला सय्यिदिनल इमामि मुह़म्मदिन
अलबाक़िरि व अ़ला सय्यिदिनल इमामि
जअ़फ़रिन अस़्सादिक़ि व अ़ला सय्यिदिनल
इमामि मूसा अल काज़िमि व अ़ला सय्यिदिनल
इमामि अ़लीयिन रज़ा व अ़ला सय्यिदिनल
इमामि जव्वादिन अत्तक़ीयि व अ़ला सय्यिदिनल
इमामि अ़लीयिन अन्नक़ीयि व अ़ला सय्यिदिनल
इमामि ह़सनिन अलअ़स्करीयि वश्शैख़ि अ़ब्दिल
क़ादिरिल जीलानीयि वलख़्वाजा मुईनिद्दीनि ह़ स
निन अस्सन्जरीयि वलमख़्दूमि अस्सय्यिदि अह़
म द वली यिल्लाहि वस्सादाति अश्याख़ि अर्ब
अ़ त अ़ श र व अ़ला सय्यिदिनल इमामि
अल महदिय्यि व अ़ला कुल्लि मन हु व मिन

अहलिस्समावाति वल अर्दी न अज्मई न बि अ़
द दि कुल्लि मअ़लूमिल्ल क।

अल्लाहुम्म इन्नी अस्अलु क बिह़क़्कि़
नूरिकल्लज़ी अज़्हर्तहुल्लज़ी ज़िक्रुहू लाइला ह
इल्लल्लाहु फ़कुल्त लहू मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि वहु
व नूरुकल मह़ब्बतु व बिह़क़्कि़ नूरिकल्लज़ी
तुस़ल्ली अ़लैहि व मलाइ कतु क वल्लज़ी न
आमनू युस़ल्लू न अ़लैहि अन्तस्म अ़ ग़ियासना
व निदाअना व तुजी ब कुल्ल दुआ़इना व
तग़फ़ि र लिकुल्लि ज़म्बिम माअज़्नब्तुहू अ़म
दन औ ख़ त़ अन सिर्रन औअ़ला नि यतौं व
अतूबु इलै क बिह़क़्कि़ लाइला ह इल्लल्लाहु
याइला ह मुह़म्मदिन यारब्ब मुह़म्मदिन अन्त
अ़ज़ीज़ुन अ़ज़्ज़िज़नी बिइ़ज़्ज़ति क फ़िद्दहरि

वलक़ब्रि वलह़श्रि बिसलामतिल ईमानि बिरिदा़इ
क व बिरिदा़इ ह़बीबि क वबिमा तुह़िब्बुहू
वतर्दा़हु व ह़बीबु क युह़िब्बुहू व यर्दा़हु लाइला
ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह
इल्लल्लाहु इलाही अज़्हिर अ़ला ज़ाहिरी सुल्ता़
न लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु
लाइला ह इल्लल्लाहु व ह़क्कि़क़ बाति़नी बिह़क़ा
इकि़ लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु
लाइला ह इल्लल्लाहु वस्तग़रिक़ फ़ी क ज़ाहिरी
बिइ़ह़ाति़ति लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह
इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु वह़फ़ज़्नी
अल्लाहुम्म बि क ल क फ़ी मरातिबि वुजूदि क
व शुहूदि क ह़त्ता लाअश्ह द ग़ै र अफ़्आ़लि
क व सि़फ़ाति क बिवज्हिल ह़क्कि़ल्लज़ी लाइला

ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु अल्लाहु अल्लाहु अल्लाहु याअल्लाहु याअल्लाहु याअल्लाहु दुल्लनी बि क अ़लै क वर्जुक़्निस सबा त इ़न्द वुजूदि क ह़त्ता अकू न मु तअद्दिबन बै न यदै क याअल्लाहु याअल्लाहु याअल्लाहु इलाही बि अ़ ज़ मति क व जलालि क उर्जुक़्नी हुब्ब क याअल्लाहु याअल्लाहु याअल्लाहु इलाही इज्अ़ल क़ल्ब अ़ब्दिकद्दईफ़ि मज़्हरल लिज़ाति क वमम्बअ़ल लिआयाति क याअल्लाहु याअल्लाहु याअल्लाहु हु व, हु व, हु व, या हु व, या हु व, या हु व, यामन हुवल्लाहु लाइला ह इल्ला अन्त हु व, हु व, हु व, इलाही ह़क़्क़िक़ बाति़नी बिसिर्रि हुवीयति क व अफ़्नि मिन्नी अनानीयती इला अन त सि

ल इला हुवीयति ज़तिकल अ़लीयति या मल लै
स कमिस्लिही शैउन अफ़्नि अ़न्नी कुल्ल शैइन
ग़ैर क व ख़फ़्फ़िफ़ अ़न्नी सिक़्लल मौजूदाति
वम्हु अ़न्नी नुक़्ततल ग़ैरीयती लि उशाहि द क
वला अदरी ग़ैर क या हु व, या हु व, या हु
व, लासिवा क मौजूदूँ वला सिवा क मक़्सूदुन
या वुजूदल वुजूदि या अल्लाहु या हु व
वल्हम्दुलिल्लाहि रब्बिल आ़लमी न ह़य्युन ह़य्युन
ह़य्युन याह़य्यु याह़य्यु याह़य्यु अह़यिनी ह़यातन
त़य्यिबतवँ वस्क़िनी मिन शराबि मह़ब्बति क
अअ़ ज़ बहू व अ़त्य ब हू याह़य्यु याह़य्यु
याह़य्यु इलाही ह़क़्क़िक़ ह़याती बि क याह़य्यु
याह़य्यु याह़य्यु इलाही अज़्हिर नू र ह़याति क
फ़ी ह़याती याह़य्यु याह़य्यु याह़य्यु इलाही अह़यि

रूह़ी ह़यातन अ ब दीयतवँ व मत्तिअ़ सिर्री
बिसिर्रि क फ़िल ह़ द़ रातिश शुहूदीयति वम्लअ
क़ल्बी बिल्मआ़रि फ़िर्रब्बा नीयति वत़्लिक़
लिसानी बिल उ़लूमिल लदुन्नीयति याह़य्यु
याह़य्यु याह़य्यु वाह़िदूँ वाह़िदूँ वाह़िदुन यावाह़िदु
यावाह़िदु यावाह़िदु इज्अ़ल्नी मुवह़ह़िदम्बिनूरि
वह़दानीयति क मुअय्यिदम बिशुहूदि फ़र्दानी
यति क यावाह़िदु यावाह़िदु यावाह़िदु इलाही
अन्तल मु त वह़ह़िदु फ़ी ज़ाति क बिउलूहीयति
क यावाह़िदु यावाह़िदु यावाह़िदु अ़ज़ीजुन
अ़ज़ीजुन अ़ज़ीजुन याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु
याअ़ज़ीजु इज्अ़ल्नी बिइ़ज़्ज़ति क बैनल
अअ़ज़्ज़ी न बै न यदै क याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु
याअ़ज़ीजु इस्तअ़मिल्नी बिअअ़ मालिल

अअ़ज़्ज़ी न लदै क याअ़ज़ीज़ु याअ़ज़ीज़ु
याअ़ज़ीज़ु इलाही अइ़ज़्ज़नी बिइ़ज़्ज़ति क
याअ़ज़ीज़ु याअ़ज़ीज़ु याअ़ज़ीज़ु इलाही इज्अ़ल्नी
मिन इ़बादिकल अअ़ज़्ज़ी न याअ़ज़ीज़ु
याअ़ज़ीज़ु याअ़ज़ीज़ु वहहाबुन वहहाबुन
वहहाबुन यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु हब्ली
मिन जज़ीलि हिबाति क मा युबल्लिग़ुनी इला
मर्दीयाति क यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु
इलाही हब्ली मिल्लदुन्क रह़् मतन इन्न क
अन्तल वहहाबु यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु
इलाही यावाहिबल अस्रारि हब्ली मिन अस्रारि
क फ़ैद़न तज्अ़ल्नी बिही दाइमम मुस्तह़् फ़िज़ल
लिमवाहिबि क यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु
अल्लाहुम्म ह़क्किक़्नी बिमवाहिबि ह़क़ीक़ति

ह़क़ीक़ति क यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु
इलाही कुन शाहिदन अ़लय्य बिल इफ़्तिक़ारि
इलाग़नाइ कल मुत्लक़िल कामिलि बिज़्ज़ाति
फ़म्नुन अ़ला अ़ब्दिकद्दईफ़ि बिग़िनन अकूनु
बिही ग़नीयम्मुग्नीयम मन शिअ त ग़िनाहु
बिवस्फ़िल फ़क़ि बै न यदै क अन्तल ग़नीयुल
वहहाबु यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु वदूदुँ
वदूदुँ वदूदुन यावदूदु यावदूदु यावदूदु इज्अ़ल
क़ल्बी वाद्दल्ल क यावदूदु यावदूदु यावदूदु
इलाही अ़ति़नी वुद्दन फ़ी कुलूबि इ़बादिकल
मुअमिनी न यावदूदु यावदूदु यावदूदु इलाही
इक्फ़िनी शर्र मन किफ़ायतुहू बियदि क यावदूदु
यावदूदु यावदूदु अल्लाहुम्मग़ फ़िर्ली वलि
वालिदय्य व लिमन तवाल द वलिमन अह़ब्बनी

वलिजमीइ़ल मुअमिनी न वलमुअमिनाति
वलमुस्लिमी न वलमुस्लिमातिल अह़याइ मिन्हुम
वलअम्वाति अजमइ़ न बिह़क़्क़ि लाइला ह
इल्लल्लाहु नूरुम्मिन्नूरिल्लाहि मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि
वबि ह़क़्क़िन्नुफ़ूसिलख़म्सिल क़ुदसीयति वश्शैख़
अ़ब्दिल क़ादिरिल जीलानीयि व बिह़क़्क़ि
क़ुल्लिमन हु व मिन अहलिस्समावाति वलअर्दी
न बिक़ुदरति क याक़ादिरल क़ादिरी न
बिक़ुदरतिल्लाहि तआ़ला याअह़ कमल हाकिमी
न बिहुक्मिल्लाहि तआ़ला अग़िस्नी बिइ़ज़्निल
लाहि तआ़ला याक़दीरु याह़कीमु बिरह़मति क
याअर्हमर्राह़िमी न वल्ह़म्दु लिल्लाहि रब्बिल
आ़लमी न स़ल्लल्लाहु अ़ला ह़बीबिही मुह़म्मदिवँ
व आलिही वअस़्ह़ाबिही व बा र क वसल्ल म।

मुराद

अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है।

ऐ हमारे वाहिद अल्लाह, वाहिद अल्लाह ही इलाह है दुरूदो सलाम कि अल्लाह और उस के मलाइका वारिद किए और सारे मुस्लिम वारिद किए और मोहयुल इस्लाम वारिद किए और वह कि मस्तूर अलल्लौह है वही दुरूदो सलाम मुकर्रर हर दम वारिद हो हमारे मौला इस्लाम की अस्ल के लिए और दारूस्सलाम की अस्ल के लिए और हुक्मे इलाही के मूसिल के लिए हो और कमाले अस्रारे इलाही के मोअती के लिए हो, और वह अल्लाह का मस्रूर मोहम्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद कमाल वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारे आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला

अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम मअ़ अ़ददे अ़ताए इलाही के ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती वाला है ऐ हमारे यक्ता अल्लाह, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं जो दुरूदो सलाम अल्लाह ने भेजा और उस के फ़िरिश्तों ने भेजा और तमाम मुसल्मानों ने भेजा और जो दुरूदो सलाम दीन के ज़िन्दा कर ने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहु अ़न्हु ने भेजा और वह दुरूदो सलाम जो लौह़े मह़फ़ूज़ में लिखा हुवा है वही

दुरूदो सलाम दोबारह हर दम तू नाज़िल फ़रमा हमारे मौला तेरे इस्लाम की जान पर और जन्नत की जान पर और तेरे हुक्म के पहुँचाने वाले पर और तेरे मोकम्मल राज़ों के अ़ता करने वाले पर और वह अल्लाह की खुश्नूदी मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद(सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु) तमाम वालिद में सब से ज़्यादा कमाल वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सब से ज़्यादा कमाल वाली हैं और जिनकी आलो औलाद तमाम आलो औलाद में सब से ज़्यादा कमाल वाले हैं और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा

रदियल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदियल्लाहु अ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम अ़ताए इलाही की तअ़दाद के मुताबिक़।

तर्जमा

अल्लाह के नाम के साथ तमाम तअ़रीफ़ अल्लाह के लिए है, हमारा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है, तमाम मुल्क का बादशाह है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, हमारा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है, यक्ता है बेनियाज़ है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, हमारा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है, हमेशा ज़िन्दा रहने वाला है, हमेश्गी वाला है,

अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, हमारा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है, तनहा है सलामती देने वाला है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, हमारा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है, बुलंदी वाला है, ख़ूब अ़त़ा करने वाला है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, हमारा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है, हिदायत देनेवाला है, सूरत बनाने वाला है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, हमारा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है, शुमार करने वाला है, फ़ैस़ला फ़रमाने वाला है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, और उसी केलिए सारा अम्र है, उस के बुलंद नाम हैं, और वह अव्वल है, बहुत मोह़ब्बत फ़रमाने वाला है, बहुत दोस्त रखने वाला है, बड़ा मददगार है, और वह तमाम राज़ों को ख़ूब जानने वाला है, उस का करामत वाला कलाम यह है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं,

मेरी रूह़ की 'रा' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद

नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ की रूहे पाक पर तमाम रूहों में,

मेरी रूह का 'वाव' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ यक्ता तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ की रूहे पाक पर तमाम रूहों में,

मेरी रूह की 'हा' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ ज़िन्दा रहने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ की रूहे पाक पर तमाम रूहों में,

मेरा 'अम्रे रूह' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ यक्ता ऐ ज़िन्दा रहने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और

मोहम्मद ﷺ की रूहे पाक पर तमाम रूहों में,

मेरे क़ल्ब (दिल) का 'क़ाफ़' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ क़ाएम फ़रमाने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ के दिले पाक पर तमाम दिलों में ,

मेरे क़ल्ब (दिल) का 'लाम' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ लुत्फ़ फ़रमाने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ के दिले पाक पर तमाम दिलों में,

मेरे क़ल्ब (दिल) की 'बा' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ कुशादा फ़रमाने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ के दिले पाक पर तमाम दिलों में,

मेरा अम्रे क़ल्ब (दिल) कहे अल्लाह के सिवा कोई

मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ क़ाएम फ़रमाने वाले ऐ लुत्फ़ फ़रमाने वाले ऐ कुशादा फ़रमाने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के दिले पाक पर तमाम दिलों में,

मेरे नफ़्स (जान) का 'नून' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ नूर तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की जाने पाक पर तमाम जानों में,

मेरे नफ़्स (जान) की 'फ़ा' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ खोलने वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की जाने पाक पर तमाम जानों में,

मेरे नफ़्स (जान) का 'सीन' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ

सलामती वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ की जाने पाक पर तमाम जानों में,

मेरा अम्रे नफ़्स (जान) कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ नूर ऐ खोलने वाले ऐ सलामती वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ की जाने पाक पर तमाम जानों में,

मेरी अ़क़्ल का 'ऐन' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ इ़ल्म वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ की अ़क़्ले पाक पर तमाम अ़क़्लों में,

मेरी अ़क़्ल का 'क़ाफ़' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ कुदरत वाले तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ की अ़क़्ले

पाक पर तमाम अ़क़्लों में,

मेरी अ़क़्ल का 'लाम' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ लत़ाफ़त वाले तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की अ़क़्ले पाक पर तमाम अ़क़्लों में,

मेरा अम्रे अ़क़्ल कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ इ़ल्म वाले ऐ क़ुदरत वाले ऐ लत़ाफ़त वाले तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की अ़क़्ले पाक पर तमाम अ़क़्लों में,

मेरा 'सर' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के सरे पाक पर तमाम सरों में,

मेरी 'पेशानी' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं

मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की पेशानिये पाक पर तमाम पेशनियों में,

मेरा 'कान' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के काने पाक पर तमाम कानों में,

मेरी 'आँख' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की आँखे पाक पर तमाम आँखों में,

मेरा 'कलाम' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे

सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ के कलामे पाक पर तमाम कलामों में,

मेरा 'चेहरा' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ के चेहरए पाक पर तमाम चेहरों में,

मेरा 'सीना' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ के सीनए पाक पर तमाम सीनों में,

मेरा 'शिकम' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोहम्मद ﷺ पर और मोहम्मद ﷺ के शिकमे पाक पर तमाम शिकमों में,

मेरी 'साँस' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की साँसे पाक पर तमाम साँसों में,

मेरा 'जिगर' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के जिगरे पाक पर तमाम जिगरों में,

मेरी 'शहरग' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की शहरगे पाक पर तमाम शहरगों में,

मेरा 'अ़मल' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ

मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के अ़मले पाक पर तमाम अअ़माल में,

मेरा 'ह़ाल' (ह़ालत) कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की ह़ालते पाक पर तमाम ह़ालतों में,

मेरी 'फ़िक्र' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की फ़िक्रे पाक पर तमाम फ़िक्रों में,

मेरा 'इ़ल्म' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के इ़ल्मे

पाक पर तमाम इल्मों में,

मेरी 'आ़दत' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की आ़दते पाक पर तमाम अ़दतों में,

मेरा 'नाम' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के नामे पाक पर तमाम नामों में,

मेरा 'ज़माना' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू खूब खूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के ज़मानए पाक पर तमाम ज़मानों में,

मेरी 'रात और मेरा दिन' कहे अल्लाह के सिवा कोई

मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की रात और मोह़म्मद ﷺ के दिन पर तमाम रातों और दिनों में,

मेरा 'ज़ाहिरो बातिन' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के ज़ाहिरो बातिन पर तमाम ज़ाहिरों और बातिनों में,

मेरा 'जिस्म' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के जिस्मे पाक पर तमाम जिस्मों में,

मेरी 'क़ब्र' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ

मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की क़ब्रे पाक पर तमाम क़ब्रों में,

मेरा 'ह़श्र' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ के ह़श्रे पाक पर तमाम ह़श्रों में,

मेरा 'दुआ़' कहे अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं, ऐ मेरे अल्लाह ऐ पालने वाले ऐ मअ़बूद ऐ ह़क़ तू ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे सरदार हमारे नबी मोह़म्मद ﷺ पर और मोह़म्मद ﷺ की दुआ़ए पाक पर तमाम दुआ़ओं में, और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिदैन पर, आप ﷺ की आलो औलाद पर, आप ﷺ की अज़्वाजे मुत़ह्हरात पर, और आप ﷺ की अहले बैत पर, ह़ज़रत सिद्दीक़ व ह़ज़रत उ़मर व ह़ज़रत उ़स्मान और ह़ज़रत अ़ली रदियल्लाहु अ़न्हुम पर, ह़ज़रत फ़ातिमा ज़हरा

रदि़यल्लाहु अ़न्हा पर, ह़ज़रत इमामे ह़सन व ह़ज़रत इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर, और आप ﷺ के स़ह़ाबा व ताबेई़न व मोह़िब्बीन और तमाम शोहदाए कर्बला पर, सय्यिदुना इमाम ज़ैनुल आ़बिदीन पर, सय्यिदुना इमाम मोह़म्मद बाक़िर पर, सय्यिदुना इमाम जअ़फ़र स़ादिक़ पर, और सय्यिदुना इमाम मूसा काज़िम पर, सय्यिदुना इमाम अ़ली रज़ा पर, सय्यिदुना इमाम जव्वाद तक़ी पर, सय्यिदुना इमाम अ़ली नक़ी पर, सय्यिदुना इमाम ह़सन अ़स्करी पर, और ह़ज़रत शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी व ह़ज़रत ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी और ह़ज़रत मख़दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह व सादात चौदहों पीराँ और सय्यिदुना इमाम महदी रदि़यल्लाहु तआ़ला अ़न्हुम पर, और तमाम आसमानों और ज़मीनों में से अहल वालों पर, तेरी तमाम मअ़लूम तअ़दाद के मुत़ाबिक़,

ऐ मेरे अल्लाह मैं तुझ से सुवाल करता हूँ तेरे उस नूर के वास्त़े से कि जिसे तूने ज़ाहिर फ़रमाया जिस का ज़िक्र लाइला ह इल्लल्लाह है पस तू ने उस से फ़रमाया मोह़म्मदुर्रसूलुल्लाह ﷺ और वह तेरे नूरे मोह़ब्बत हैं और तेरे उस

नूर के वास्ते से सवाल करता हूँ जिस पर तू, तेरे फ़िरिश्ते और ईमान वाले दुरूद भेजते हैं कि तू हमारी फ़रयाद और पुकार को सुनले और हमारी दुआ़ओं को क़बूल फ़रमाले और उन तमाम गुनाहों को बख़्श दे जो मैं ने जान बूझ कर या अनजाने में छुप कर या एअ़लानिया तौ़र पर किए और मैं तेरी बारगाह में तौबा करता हूँ इस ह़क़ के वास्ते कि अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं, ऐ मोह़म्मद ﷺ के अल्लाह ऐ मोह़म्मद ﷺ के पालनहार तू इ़ज़्ज़त वाला है बवसीला तेरी बुलंद इ़ज़्ज़त के तू हमें दहर में क़ब्र में ह़श्र में सलामतिये ईमान के साथ इ़ज़्ज़त वाला करदे तेरी और तेरे ह़बीब ﷺ की खुश्नूदी के साथ और जिस से तू और तेरा ह़बीब राज़ी है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं, ऐ मेरे मअ़बूद तू मेरे ज़ाहिर पर लाइला ह इल्लल्लाहु का ग़ल्बा ज़ाहिर फ़रमा लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु और मेरे बातिन पर लाइला ह इल्लल्लाहु की ह़क़ीक़तों को मोतह़क़्क़क़ फ़रमा लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु और लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह

इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु के एहाता से मेरे ज़ाहिर को अपनी ज़ात में मुस्तग़रक़ फ़रमा और मेरी हिफ़ाज़त फ़रमा ऐ अल्लाह अपने साथ अपने लिए अपने वुजूद और शुहूद के मरातिब में, यहाँ तक कि ना मुशाहदा करूँ मैं बजुज़ तेरे अफ़आल और सिफ़ात के बहुर्मत इस सच्चाई के जो यह है लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु लाइला ह इल्लल्लाहु, अल्लाह है अल्लाह है अल्लाह है ऐ अल्लाह ऐ अल्लाह ऐ अल्लाह रहनुमाई फ़रमा मेरी अपने ज़रिआ से अपनी ज़ात की तरफ़ और नसीब फ़रमा मुझे साबित क़दमी अपने वुजूद के हुज़ूर में, यह कि होजाऊँ मैं सरापा अदब तेरी बारगाह में ऐ अल्लाह ऐ अल्लाह ऐ अल्लाह ऐ मेरे मअ़बूद अपनी अ़ज़मतो जलाल के सदक़े मुझे अपनी मोहब्बत नसीब फ़रमा या अल्लाहु या अल्लाहु या अल्लाहु ऐ मेरे मअ़बूद अपने इस ज़ईफ़ बंदे के दिल को अपनी ज़ात का मज़्हर बनादे और अपनी क़ुदरत की निशानियों का सर चशमा बनादे या अल्लाहु या अल्लाहु या अल्लाहु, वही है वही है वही है, ऐ वह ऐ वह ऐ वह ऐ वह ज़ात जो अल्लाह है नहीं कोई मअ़बूद सिवाए तेरे, वही है वही है वही है ऐ मेरे

मअ़बूद तू हमारे बातिन को अपनी ज़ाते हुवीयत के राज़ के साथ मुतह़क़्क़क़ फ़रमादे और मुझ से मेरी अनानियत को फ़ना करदे यहाँ तक के वह तेरी बुलंद ज़ाते हुवीयत से वासिल होजाए, ऐ वह ज़ात जिस के मिस्ल कोई चीज़ नहीं तू मुझ से अपने सिवा हर चीज़ को फ़ना करदे और मुझ से तमाम मौजूदात के बोझ को हल्का फ़रमा दे और मुझ से ग़ैरियत के नुक़्ता को मिटा दे ताकि मैं सिर्फ़ तेरा मुशाहदा करूँ और तेरे सिवा कुछ ना जानूँ, ऐ वह ऐ वह ऐ वह तेरे सिवा कोई मौजूद नहीं तेरे सिवा कोई मक़सूद नहीं ऐ तमाम वुजूद के वुजूद ऐ अल्लाह ऐ वह और तमाम तअ़रीफ़ उस अल्लाह के लिए है जो सारे जहान का पालनहार है ज़िन्दा रहने वाला है ज़िन्दा रहने वाला है ज़िन्दा रहने वाला है याह़य्यो याह़य्यो याह़य्यो अ़ता फ़रमा मुझे पाकीज़ा ज़िन्दगी और पिला मुझे अपनी मोह़ब्बत की शराब से वह शराब जो बहुत मीठी है और पाकीज़ा है याह़य्यो याह़य्यो याह़य्यो ऐ मेरे मअ़बूद मेरी ज़िन्दगी को अपनी ज़ात के साथ मुतह़क़्क़क़ करदे याह़य्यो याह़य्यो याह़य्यो ऐ मेरे मअ़बूद अपनी ज़िन्दगी के नूर को मेरी ज़िन्दगी में ज़ाहिर करदे याह़य्यो याह़य्यो याह़य्यो ऐ मेरे

मअ़बूद मेरी रूह़ को अब्दी ज़िन्दगी अ़ता फ़रमा और मेरे राज़ को अपने सिर्रे निहाँ से अपने शुहूद की बारगाहों में बहरामंद फ़रमा और भरदे मेरे दिल को मआ़रिफ़े रब्बानी से और मेरी ज़बान को उ़लूमे लदुन्नी के साथ गोया फ़रमा दे याह़य्यो याह़य्यो याह़य्यो यक्ता है यक्ता है यक्ता है ऐ वाह़िद ऐ वाह़िद ऐ वाह़िद बनादे मुझे तौह़ीद वालों में से अपनी वह़दानियत के नूर के साथ और मेरी मदद फ़रमा अपनी यक्ताई के शुहूद से यावाह़िदु यावाह़िदु यावाह़िदु ऐ मेरे मअ़बूद तूही वाह़िद है अपनी ज़ात में अपनी उलूहियत के साथ यावाह़िदु यावाह़िदु यावाह़िदु, इ़ज़्ज़त वाला है इ़ज़्ज़त वाला है इ़ज़्ज़त वाला है याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु करदे मुझे अपनी इ़ज़्ज़त के साथ उन मोअ़ज़्ज़ज़ीन में से जो तेरी जनाब में मोअ़ज़्ज़ज़ हैं याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु और मुझे उनलोगों के अ़मल की तौफ़ीक़ बख़्श जो तेरी बारगाह में मोअ़ज़्ज़ज़ हैं याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु ऐ मेरे मअ़बूद अपनी इ़ज़्ज़त के साथ मुझे इ़ज़्ज़त अ़ता फ़रमा याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु ऐ मेरे मअ़बूद बनादे मुझे अपने उन बंदों में से जो मोअ़ज़्ज़ज़ हैं याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु याअ़ज़ीजु, बेअन्दाज़

बख़्शने वाला है बेअन्दाज़ बख़्शने वाला है बेअन्दाज़ बख़्शने वाला है ऐ बेअन्दाज़ बख़्शने वाले ऐ बेअन्दाज़ बख़्शने वाले ऐ बेअन्दाज़ बख़्शने वाले अ़ता फ़रमा मुझे अपनी बेहतरीन अ़तीयात से जो पहुँचा दे मुझे तेरी ख़ुश्नूदियों की त़रफ़ यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु ऐ मेरे मअ़बूद अ़ता फ़रमा मुझे अपनी बारगाह से रह़मत बेशक तूही बेह़िसाब अ़ता फ़रमाने वाला है यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु ऐ मेरे मअ़बूद ऐ राज़ों के अ़ता फ़रमाने वाले मुझे अपने राज़ों से ऐसा फ़ैज़ बख़्श कि बनादे तू मुझे उस के साथ हमेशा ह़िफ़ाज़त करने वाला अपनी अ़तीयात का यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु ऐ मेरे मअ़बूद मुतह़क़्क़क़ करदे मुझे अपनी ह़क़ीक़त की ह़क़ीक़त के अ़तीयात के साथ यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु ऐ मेरे मअ़बूद तू गवाह होजा मेरी ज़ात पर कि मैं मोह़ताज हूँ तेरी ग़ेना की त़रफ़ जो मुत्लक़ और कामिल बिज़्ज़ात है पस एह़सान फ़रमा अपने कमज़ोर बंदे पर अपनी ग़ेना के साथ ताकि मैं उस के साथ ख़ुद भी ग़नी हो जाऊँ और दोसरों को भी ग़नी कर दूँ जिस को ग़नी कर ने का तू इरादा फ़रमावे, और मैं तेरी बारगाह में वस्फ़े फ़क्र से मुत्तसिफ़ हूँ तूही

ग़नी है और बख़्शने वाला है यावहहाबु यावहहाबु यावहहाबु, बहुत मोहब्बत करने वाला है बहुत मोहब्बत करने वाला है बहुत मोहब्बत करने वाला है यावदूदो यावदूदो यावदूदो बनादे मेरे दिल को कि मोहब्बत करने लगे तुझ से यावदूदो यावदूदो यावदूदो ऐ मेरे मअ़बूद मेरी मुहब्ब्त अपने मोमिन बंदों के दिलों में डाल दे यावदूदो यावदूदो यावदूदो ऐ मेरे मअ़बूद मुझे उस शख़्स के शर से बचाले जिस के शर से बचाना तेरे दस्ते क़ुदरत में है यावदूदो यावदूदो यावदूदो, ऐ मेरे अल्लाह तू मुझे बख़्श दे मेरे वालिदैन को बख़्श दे मेरे अहलो अ़याल को बख़्श दे मेरे अहबाब को बख़्श दे और तमाम मोमिन मर्दो औरत तमाम मुसल्मान मर्दो औरत ज़िन्दों और मुर्दों में से सब को बख़्श दे, इस हक़ के वास्ते कि अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं अल्लाह के नूर के नूर मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं वास्ता है पंज्तने पाक का और वास्ता है शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी का और उनका जो आसमानों और ज़मीनों में अहल वाले हैं, वास्ता है तेरी क़ुदरत का ऐ तमाम क़ुदरत वालों में क़ुदरत वाले अल्लाह की क़ुदरत के साथ ऐ तमाम हाकिमों से बढ़कर हाकिम, ऐ क़ुदरत वाले ऐ

हिक्मत वाले तू अपनी इज़्ज़ के वास्ते से मेरी फ़रयाद को सुनले ऐ तमाम रहम करने वालों में सबसे ज़्यादा मेहरबान तेरी रहमत का वास्ता है, और तमाम तअ़रीफ़ अल्लाह के लिए है जो सारे जहान का पालन हार है और अल्लाह खूब दुरूदो सलाम और बरकत नाज़िल फ़रमाए अपने हबीब मोहम्मद ﷺ पर और आप ﷺ की आल पर और आप ﷺ के अस्हाब पर।

नोटः- आस्तान-ए-हज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ ﷺ से मुतअ़ल्लिक जुम्ला मतबूआ़त मस्लन "दुरूदे रूहानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोहम्मदी, सलामे मोहम्मदी मअ़ अस्रारे "मीम हा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम" वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाहज़ा कर सकते हैं।

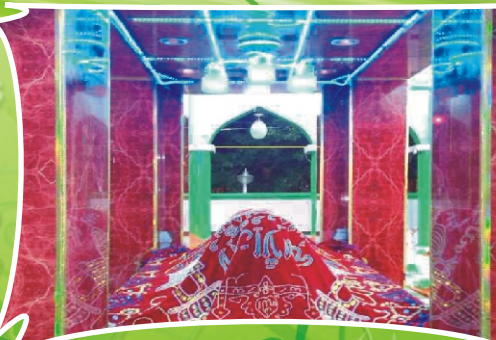

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com